Series SOS/2

Code No. **2/2/1**
कोड नं.

Roll No.
रोल नं.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे — *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours — *Maximum Marks : 100*

खण्ड क

1. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×5=5*

महाप्रलय की अग्नि साथ लेकर जो जग में आए
विश्वबली शासन का भय जिनके आगे शरमाए
चले गए जो शीश चढ़ाकर अर्घ्य दिया प्राणों का
चलें मज़ारों पर हम उनकी, दीपक एक जलाएँ ।

टूट गई बंधन की कड़ियाँ स्वतंत्रता की बेला
लगता है मन आज हमें कितना अवसन्न अकेला ।

जीत गए, हम जीता विद्रोही अभिमान हमारा ।
प्राणदान से क्षुब्ध तरंगों को मिल गया किनारा ।
उदित हुआ रवि स्वतंत्रता का व्योम उगलता जीवन,

आज़ादी की आग अमर है, घोषित करता कण-कण ।
कलियों के अधरों पर पलते रहे विलासी कायर,
उधर मृत्यु पैरों से बाँधे, रहा जूझता यौवन ।
उस शहीद यौवन की सुधि हम क्षण भर को न बिसारें,
उसके पग-चिह्नों पर अपने मन के मोती वारें ।।

(क) कवि किनकी मज़ारों पर दीपक जलाने का आह्वान कर रहा है और क्यों ?

(ख) 'टूट गई बंधन की कड़ियाँ' कवि किस बंधन की बात कर रहा है ?

(ग) 'विश्वबली शासन' किसे कहा है ? क्यों ?

(घ) शहीद किसे कहते हैं ? शहीदों के बलिदान से हमें क्या प्राप्त हुआ ?

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए :

जीत गए, हम जीता विद्रोही अभिमान हमारा
प्राणदान से क्षुब्ध तरंगों को मिल गया किनारा ।

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

साहित्य का जीवन के साथ गहरा सम्बन्ध है । साहित्यकार अपनी पैनी दृष्टि से देखता है और संवेदनशील मन से उसको अभिव्यक्त करता है । चारों ओर देखे गए सत्य और भोगे हुए यथार्थ को कभी कल्पना के रंग में रंग कर, तो कभी ज्यों-का-त्यों पाठक के सामने प्रस्तुत कर देता है । साहित्यकार में सौंदर्य को देखने और परखने की अद्‌भुत शक्ति होती है । मनोरम दृश्यों के सौंदर्य और मुग्ध कर देने वाले स्वरों की मधुरता से वह अकेले ही आनंदमग्न नहीं होना चाहता । वह दूसरों को भी आनंदमग्न करने के लिए सदा आतुर रहता है । साहित्यकार जब समाज को अपने मन की बात सुनाता है तो साहित्यकार और समाज का सम्बन्ध स्पष्ट दिखाई पड़ता है । समाज की रूढ़ियों और विद्रूपताओं को उजागर कर वह जनमानस को जागृत करता है । उन्हें बताता है कि जो कुछ पुराना है, वह सोना ही हो — यह आवश्यक नहीं। हमें जकड़ने वाली, पीछे धकेलने वाली रूढ़ियों से छुटकारा पाना होगा । इस प्रकार साहित्यकार समाज का पथ-प्रदर्शक भी है और पथ-निर्माता भी । वह समाज को परिवर्तन और क्रांति के लिए भी तैयार करता है । यह सत्य है कि अनेक साहित्यिक रचनाएँ क्रांति की आधारशिला रखने में समर्थ हुई हैं । इसलिए साहित्य को केवल मनोरंजन की वस्तु मानना अपनी आँखों पर पट्टी बाँधकर सूर्य को नकारना है ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।

(ख) साहित्यकार की दृष्टि और मन के लिए प्रयुक्त विशेषणों का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ग) साहित्यकार सत्य को पाठक के समक्ष कैसे रखता है ? *2*

(घ) साहित्यकार और समाज का संबंध कब दिखाई पड़ता है ? *1*

(ङ) साहित्यकार को समाज का पथ-निर्माता और पथ-प्रदर्शक क्यों कहा गया है ? *2*

(च) आशय स्पष्ट कीजिए : *2*

'अपनी आँख पर पट्टी बाँधकर सूर्य को नकारना'

(छ) साहित्यकार समाज को परिवर्तन और क्रांति के लिए कैसे तैयार करता है ? *2*

(ज) उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए — विद्रूपता, परिवर्तनीय । *2*

(झ) 'हमें पीछे धकेलने वाली रूढ़ियों से छुटकारा पाना होगा ।'
उपर्युक्त वाक्य को मिश्र वाक्य में बदलिए । *1*

खण्ड ख

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** पर निबन्ध लिखिए : *5*

(क) राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रदर्शन

(ख) बाढ़ की विभीषिका

(ग) बेरोज़गारी की समस्या

(घ) मेरी प्रिय पुस्तक

4. बद्रीनाथ से सपरिवार लौटते समय भूस्खलन के कारण आप और सैकड़ों यात्री मार्ग में फँस गए । सरकार का आपदा प्रबंधन विभाग निष्क्रिय रहा । इसकी शिकायत करते हुए एक पत्र आपदा-प्रबंधन मंत्री, उत्तराखंड सरकार, देहरादून को लिखिए । *5*

अथवा

कुछ राजनीतिक नेता नवयुवकों से कहते हैं कि वे सक्रिय राजनीति में शामिल हों । किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर इस विषय पर अपने विचार लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : *1×5=5*

(i) 'स्टिंग ऑपरेशन' क्या होता है ?

(ii) 'फ्रीलांस पत्रकार' किसे कहते हैं ?

(iii) अख़बारी भाषा की चार विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(iv) रेडियो की अपेक्षा टी.वी. अधिक लोकप्रिय माध्यम क्यों है ?

(v) किन्हीं चार हिन्दी समाचार-पत्रों का उल्लेख कीजिए जिनके वेब-संस्करण उपलब्ध हैं ।

(ख) 'पल्स पोलियो अभियान' **अथवा** 'फ़िल्मों में हिंसा' विषय पर एक रिपोर्ट का आलेख लिखिए । *5*

6. 'डॉक्टरों की हड़ताल' **अथवा** 'डेंगू का प्रकोप' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए । *5*

7. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2\times4=8$

बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे —
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !

मुझसे मिलने को कौन विकल ?
मैं होऊँ किसके हित चंचल ?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है ।
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !

(क) 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' की आवृत्ति से कविता के अर्थ में क्या विशेषता आई है ?

(ख) दिन ढलते ही पक्षी नीड़ों को क्यों लौट आते हैं ?

(ग) पहले और दूसरे पद की स्थितियों में क्या अंतर है ?

(घ) पथिक में घर लौटने के लिए विशेष उत्साह क्यों नहीं है ?

अथवा

यह तेरी रण-तरी
भरी आकांक्षाओं से,
घन, भेरी-गर्जन से सजग सुप्त अंकुर
उर में पृथ्वी के, आशाओं से
नवजीवन की, ऊँचा कर सिर,
ताक रहे हैं, ऐ विप्लव के बादल !

(क) बादल को 'विप्लव के बादल' क्यों कहा है ?

(ख) 'रणतरी' किसे कहा है ? वह किन आकांक्षाओं से भरी है ?

(ग) 'भेरी-गर्जन' क्या है ? उसका क्या प्रभाव पड़ा है ?

(घ) क्रांति की कामना कौन कर रहे हैं ? क्यों ?

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 3 = 6$

प्रभु प्रलाप सुनि कान, विकल भए वानर निकर ।
आइ गयउ हनुमान, जिमि करुना महँ वीर रस ।।

(क) छंद का नाम और उसकी पहचान (लक्षण) बताइए ।

(ख) काव्यांश की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए ।

(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार का उदाहरण चुनकर उसका सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

नभ में पाँती-बँधे बगुलों के पंख,
चुराए लिए जातीं मेरी वे आँखें ।
कजरारे बादलों की छाई नभ छाया
तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया ।
हौले-हौले जाती मुझे बाँध निज माया से ।

(क) मानवीकरण अलंकार का एक उदाहरण छाँटकर उसका सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) काव्यांश की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए ।

(ग) काव्यांश के बिंब को स्पष्ट कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3+3=6$

(क) मुक्तिबोध की कविता के शीर्षक 'सहर्ष स्वीकारा है' और उसी कविता की एक पंक्ति 'आत्मीयता बरदाश्त नहीं होती है' के अंतर्विरोध को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) ' 'कैमरे में बंद अपाहिज' विकलांग/अन्यथा सक्षम व्यक्ति के प्रति क्रूरता की कविता है ।' टिप्पणी कीजिए ।

(ग) सोदाहरण सिद्ध कीजिए कि 'उषा' कविता गाँव की सुबह का गतिशील शब्दचित्र है ।

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 4 = 8$

मन ख़ाली हो, तब बाज़ार न जाओ । कहते हैं लू में जाना हो तो पानी पीकर जाना चाहिए । पानी भीतर हो, लू का लू-पन व्यर्थ हो जाता है । मन लक्ष्य में भरा हो तो बाज़ार भी फैला-का-फैला ही रह जाएगा । तब वह घाव बिलकुल नहीं दे सकेगा, बल्कि कुछ आनंद ही देगा । तब बाज़ार तुमसे कृतार्थ होगा, क्योंकि तुम कुछ-न-कुछ सच्चा लाभ उसे दोगे । बाज़ार की असली कृतार्थता है, आवश्यकता के समय काम आना ।

(क) 'लू' का उदाहरण क्यों दिया गया है ?

(ख) बाज़ार कब घाव देता है और कब आनंद ?

(ग) बाज़ार की असली कृतार्थता किसे माना है ? क्यों ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए — मन ख़ाली हो, तब बाज़ार न जाओ ।

अथवा

इसके फल इतने मज़बूत होते हैं कि नए फूलों के निकल आने पर भी स्थान नहीं छोड़ते । जब तक नए फल-पत्ते मिलकर, धकियाकर उन्हें बाहर नहीं कर देते तब तक वे डरे रहते हैं । वसंत के आगमन के समय जब सारी वनस्थली पुष्प-पत्र से मर्मरित होती रहती है, शिरीष के पुराने फल बुरी तरह खड़खड़ाते रहते हैं । मुझे इनको देखकर उन नेताओं की बात याद आती है, जो किसी प्रकार जमाने का रुख़ नहीं पहचानते और जब तक नई पौध के लोग उन्हें धक्का मारकर निकाल नहीं देते, तब तक जमे रहते हैं ।

(क) शिरीष के फूलों और फलों में क्या-क्या परस्पर विरोधी बातें हैं ?

(ख) शिरीष के फलों की क्या विशेषता है ?

(ग) वसंत ऋतु में वनों के सौंदर्य में शिरीष की प्रतिकूलता क्या है ?

(घ) नेताओं की तुलना शिरीष से क्यों की गई है ?

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3×4=12*

(क) आंबेडकर जाति-प्रथा को श्रम-विभाजन का ही एक अंग क्यों नहीं मानते ?

(ख) 'पहलवान की ढोलक दरिद्रता, महामारी, चिकित्सा का सर्वथा अभाव और असहायता में विवश ग्रामीणों को मरने की हिम्मत देती है' — पक्ष या विपक्ष में तर्क दीजिए ।

(ग) 'काले मेघा पानी दे' पाठ में किस अंधविश्वास की चर्चा है ? जीजी उसे कैसे उचित ठहराती है ?

(घ) ' 'नमक' कहानी में भारत-पाक की जनता के आरोपित भेदभावों के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला है ।' समीक्षा कीजिए ।

(ङ) 'भक्तिन' की बेटी के मानवाधिकारों का हनन पंचायत ने किस प्रकार किया ? स्पष्ट कीजिए ।

12. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) 'सिल्वर वेडिंग' के आधार पर उन कारणों का उल्लेख कीजिए जो यशोधर बाबू को समय के साथ नहीं बदलने देते ।

(ख) 'जूझ' कहानी में दत्ताजी राव देसाई की भूमिका पर प्रकाश डालिए ।

(ग) 'डायरी के पन्ने' को एक ऐतिहासिक दस्तावेज़ क्यों माना जाता है ?

13. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2=4*

(क) ऐन फ्रेंक ने अपनी डायरी किट्टी को संबोधित कर क्यों लिखी होगी ?

(ख) 'जूझ' कहानी का संदेश संक्षेप में लिखिए ।

(ग) मुअनजो-दड़ो कहाँ है और क्यों प्रसिद्ध है ?

14. "सिंधु घाटी की सभ्यता साधन-संपन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था ।" 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर सोदाहरण प्रतिपादित कीजिए । *5*

अथवा

'सिल्वर वेडिंग' कहानी के आधार पर यशोधर बाबू के व्यक्तित्व की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।